AMAR UJALA MY CITY Page 5

सवा दो लाख छात्र बगैर परीक्षा के ही होंगे प्रोन्नत

राज्य विश्वविद्यालयों में परीक्षा आयोजन को लेकर गठित कमेटी की रिपोर्ट को सैद्धांतिक सहमति

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के कारण राज्य विश्वविद्यालयों में परीक्षा आयोजन को लेकर गठित मेरठ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एनके तनेजा की अध्यक्षता वाली कमेटी की रिपोर्ट को सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। इससे राजधानी के चार सरकारी राज्य विश्वविद्यालयों व संबद्ध कॉलेज समेत प्राइवेट यूनिवर्सिटी के 2.25 लाख से अधिक स्टूडेंट्स बिना परीक्षा दिए ही प्रोन्नत हो जाएंगे। कई विद्यार्थी संगठन परीक्षाएं न कराने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन भी कर रहे हैं। हालांकि विश्वविद्यालय को अभी शासन के दिशा निर्देश का इंतजार है।

पिछले काफी दिनों से विश्वविद्यालय में सेमेस्टर व सत्रांत परीक्षाओं को लेकर उहापोह की स्थिति है। विवि व कॉलेज बंद चल रहे हैं और जरूरी काम ही हो रहे हैं। इसी बीच समय-समय पर जारी दिशा निर्देश के अनुसार लखनऊ विवि ने जहां 7 मार्च से वहीं डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) ने 16 जुलाई से, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि ने अगस्त में परीक्षा प्रस्तावित कर रखी हैं। काफी जगह परीक्षा की तैयारियां भी पूरी हो गई हैं। लखनऊ यूनिवर्सिटी के हॉस्टलों में तो मंगलवार से स्टूडेंट्स का आना भी शुरू हो जाएगा। वहीं स्टूडेंट्स लगातार परीक्षा टालने और प्रमोट करने के लिए आंदोलन भी कर रहे हैं। सोमवार को भी इसे लेकर कई जगह विरोध-प्रदर्शन हुए। ऐसे में तनेजा कमेटी की रिपोर्ट को सैद्धांतिक सहमति मिलने की सूचना से ही विवि व कॉलेजों के हजारों स्टूडेंट्स में खुशी की लहर दौड़ गई है। सिर्फ लखनऊ यूनिवर्सिटी में लगभग 20 हजार और सम्बद्ध 175 कॉलेज में 1.25 लाख, एकेटीयू के लखनऊ में 35 कॉलेजों में 25 हजार (प्रदेश भर में 2.5 लाख) स्टूडेंट्स, पुनर्वास विश्विद्यालय के लगभग 04 हजार, भाषा यूनिवर्सिटी के 2500 स्टूडेंट्स हैं। इसके साथ ही कई प्राइवेट यूनिवर्सिटी व कॉलेज हैं, जिनके मिलाकर राजधानी में लगभग 2.25 लाख स्टूडेंट्स इस निर्णय के बाद प्रोन्त हो जाएंगे।

> शासन का जो भी निर्णय होगा उसे विवि अपने यहां प्रभावी करेगा। कोरोना संक्रमण को देखते हुए शासन छात्रहित में ही निर्णय लेगा। हमने पूर्व में भी कोरोना संक्रमण के मौजूदा हालात को देखते हुए विद्यार्थियों को प्रमोट करने का प्रस्ताव भेजा था। परीक्षा को लेकर अभी शासन के दिशा-निर्देश का इंतजार है। जो गाइडलाइन होगी उसके अनुसार विद्यार्थियों को प्रमोट किया जाएगा। – **प्रो. विनय कुमार पाठक,** कुलपति, एकेटीयू

> शासन से परीक्षा टालने को लेकर अभी कोई दिशा निर्देश नहीं आया है। इस बारे में शासन का जो भी निर्णय होगा उसका अनुपालन किया जाएगा। छात्रहित में जो भी आवश्यक कदम उठाने होंगे, उसके लिए हम तैयार हैं। शासन के निर्देश पर परीक्षा की भी तैयारियां पूरी हैं और अगर इनको टालने का निर्देश होगा तो उनकी गाइडलाइन के अनुसार विद्यार्थियों को प्रमोट कर दिया जाएगा। – **प्रो. आलोक राय,** कुलपति, लविवि

HINDUSTAN Page 10

अंतिम तिथि बढ़ने के आसार, देना पड़ सकता है विलम्ब शुल्क

एलयू में आवेदन की अंतिम तिथि आज

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन की अन्तिम तिथि मंगलवार को है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए इसमें विस्तार की तैयारी है। यह तिथि 15 से 20 जुलाई तक बढ़ाई जा सकती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस विषय पर मंगलवार को फैसला लिया जाएगा। वहीं, जानकारों की मानें तो, इस पर विलम्ब शुल्क लिया जा सकता है।

लविवि में पिछले वर्षों के मुकाबले अधिक आवेदन आए हैं। स्नातक पाठ्यक्रमों की करीब 35 सौ सीट के लिए 42 हजार से ज्यादा ने पंजीकरण कराया। परास्नातक पाठ्यक्रमों की करीब 45 सौ सीट पर 19 हजार से ज्यादा ने पंजीकरण किया है।

केन्द्रीकृत प्रवेश पर सहमति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दिल्ली विश्वविद्यालय की तर्ज पर केन्द्रीयकृत प्रवेश के प्रस्ताव पर सहयुक्त महाविद्यालयों ने सहमति जताई है। महाविद्यालयों की सहमति के साथ ही इसी सत्र से केन्द्रीकृत व्यवस्था लागू करने का रास्ता साफ हो गया है। विवि प्रशासन की एक कमेटी इसका प्रारूप तय करने में लग गई है। सोमवार को इस सम्बंध में बैठक हुई।

दिल्ली विवि में केन्द्रीकृत प्रवेश व्यवस्था है। इसके तहत विवि स्तर पर काउंसलिंग कराकर कॉलेजों में प्रवेश कराए जाते हैं। इसी फार्मूले को लविवि में लागू किया जाना है। विश्वविद्यालय में काउंसलिंग के दौरान ही छात्र को कॉलेज चुनने का विकल्प भी दिया जाएगा। हालांकि, अभी यह व्यवस्था अनिवार्य नहीं होगी। यानी, इच्छुक कॉलेज ही इसमें शामिल होंगे। इसके लिए कॉलेजों को शुल्क भी देना होगा। लविवि में एमएड और बीएलएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए केन्द्रीकृत व्यवस्था लागू की गई है। कॉलेजों के रुझान के हिसाब से इसे अन्य पाठ्यक्रमों में लागू किया जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस प्रस्ताव पर समिति ने कार्य शुरू कर दिया है।

TOI Page 3

LU to get 3 gardens of medicinal plants on Van Mahotsava

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: A walk on the campus of Lucknow University will not only help students inhale clean air but also add to their knowledge of plants which boost immunity.

Three green patches of medicinal plants and trees will be established on LU campus on the occasion of 'Van Mahotsava', which will be celebrated on July 1.

The planning and creation of the three gardens—Navgrah Vatika, Panchvati Vatika and Aushadhiye Vatika—will be done jointly by the ministry of environment and forests and LU. Around 35 saplings will be planted in these three gardens.

Panchvati Vatika will have five holy trees that have medicinal properties and ecological relevance. These are peepal, banyan, bel, amla and Ashok. "At the time of the pandemic, mother nature can help boost immunity by use of medicinal plants. These vatikas will not only help students know and learn about wonder plants but also purify air on the campus," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

Peepal is known to be a rich oxygen-giving plant while bel is a boon for stomach-related issues. Amla is a rich source of vitamin C and Ashok has numerous medicinal values from addressing gynaecological problems to acting as a prevention for diarrhea. It is believed that Panchvati Vatika is good for overall well-being of mankind, said Srivastava.

In 'Navgrah Vatika', which means garden of nine planets, nine plants will be planted in different directions for benefit of nine planets. Considering their medicinal value, banyan, shami, palash and others will be planted here.

Lastly, in Aushadhiye Vatika, around 20 medicinal plants and aromatic plants will be planted that include Brahmi, madar, amla, sandal and others.